हम कर सकते हैं

कक्षा-आठवीं

विषय-हिंदी

पाठ-1

पाठ का नाम- हम करसकते हैं

PPT-6

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

२. संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए

(क) गिरकर उठो , उठकर बैठे , फिर दौड़ लगादो तुम

भाव स्पष्टीकरण - इस पंक्ति में कवयित्री सुनीता यादव कहती है कि गिरकर उठना और उठकर चलना यह संसार का नियम है। कर्मवीर को जीत या हार से कोई फर्क नहीं पड़ता। इसीलिए हमें हार से किसी भी प्रकार का फर्क नहीं पड़ना चाहिए तथा उस हार को जीत में बदलने के लिए अपने मनोबल को मजबूत बनाकर आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

(ख) **हरदम चींटी चलती रहती , क्षमता से अधिक ढोती है ।**
मछली दिन भर दौड़ लगाती , फिर भी कब वह सोती है।

भाव स्पष्टीकरण - इन पंक्ति में कवयित्री सुनीता यादव ने निरंतर आगे बढ़ने की बात को बताती हुई कहती है कि जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। चलते रहा ही जीवन का नाम है क्योंकि एक छोटी सी चींटी अपने ताकत(शक्ति) से अधिक उठाकर चलती है। उसी प्रकार मछलियाँ भी अथाह पानी (बहुत गहरे पानी) में गोते लगाती रहती है और तैरते हुए समय काटती है। न जाने वह कब सोती है।

(ग) आज का काम आज करो तुम ,कल पर कभी न छोड़ो जी ।
हिल-मिल कर सब बढ़ते रहना , सबसे मीठा बोलो जी ॥

भाव स्पष्टीकरण - इस पंक्ति में कवयित्री सुनीता यादव का कहना है कि आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। समय का सदुपयोग करो क्योंकि समय कभी लौटकर नहीं आता। उसी प्रकार हम सब को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए तथा मीठे वचन बोलना चाहिए ताकि सुनने वाला खुश हो और बोलने वाले के मन को भी शांति मिल सके।

गृहकार्य - कॉपी में लिखना।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP